केन्द्रीय विद्यालय संगठन
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
(Ministry of Education, Govt. of India)
दिल्ली संभाग/DELHI REGION
जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय परिसर नया महरौली मार्ग,
Jnu Campus, New Mehrauli Road,
नई दिल्ली/New Delhi-110067
दूरभाष सं. Tel. No. 7428830967
e-mail ID:dcrodelhi@gmail.com, website:rodelhi.kvs.gov.in

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

नगेन्द्र गोयल (उपायुक्त)
Nagendra Goyal (Deputy Commissioner)

दिनांक : 04/09/2022

शिक्षक दिवस पर शुभकामनाएं

अगर किसी देश को उज्जवल, उन्नत और सुन्दर मन वाले लोगों का देश बनाना है, तो मेरा दृढतापूर्वक मानना है कि समाज के तीन प्रमुख सदस्य ये कर सकते है वे हैं पिता, माता और शिक्षक |

-डॉ ए पी जी अब्दुल कलाम आजाद

सभी को इस शिक्षक दिवस की हार्दिक बधाई । यह देखते हुए कि समय के अलग- 2 पड़ाव पर मैं भी एक विद्यार्थी, अभिभावक और शिक्षक रहा हूँ , इस अवसर पर मुझे अनुमति प्रदान करें कि मैं भी अपने विचार आप सभी के साथ साझा कर सकूँ ।

प्रिय शिक्षकों,

प्रत्येक वर्ष हम 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाते हैं और यह भारत के दूसरे राष्ट्रपति डॉ श्री सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन है जो एक प्रसिद्ध विद्वान दार्शनिक और प्रतिष्ठित शिक्षक थे । उन्होंने शिक्षक की भूमिका को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में पारिभाषित किया जो न केवल विशेष रूप से एक शिक्षक का कार्य करता है अपितु एक नैतिक संरक्षक के रूप में भी कार्य करता है और विद्यार्थियों के बीच मूल्यों का संचार भी करता है । एक शिक्षक पूर्णतया दृढ़ता और धैर्य के साथ विद्यार्थियों को हमारी संस्कृति की समृद्ध विरासत को समझाने में सहायता प्रदान करता है । आदर्श शिक्षक लगातर विद्यार्थियों को इस उद्देश्य को प्राप्त करने और अपने लक्ष्यों को समझने के लिए प्रोत्साहित करते हैं । शिक्षक विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शक शक्ति एवं देश के सच्चे निर्माता है । यही प्रमुख कारण है कि "गुरु शिष्य" परम्परा भारतीय संस्कृति में सम्मान का स्थान रखती है ।

सामाजिक परिवर्तन के लिए व्यक्तिगत दृढ़ विश्वास की गहरी भावना ही अधिकांश लोगों को शिक्षक बनने के लिए प्रेरणा बने ऐसा मेरा मानना है । शिक्षण, ज्ञान प्रदान करने या दृष्टिकोण साझा करने वाले एक पेशेवर प्रतिबद्धता से कहीं अधिक है | यह आजीवन सीखने, प्रेरणा देने, सामाजिक परिवर्तन की संभावना में विश्वास करने और इसमें योगदान देने और

एक परिवर्तनकारी अनुभव में भाग लेने के लिए एक व्यक्तिगत प्रतिबद्धता है, जो दुनिया को शिक्षण के आनंद के माध्यम से एक बेहतर जगह बनाती है । एक समाज में मानव विकास, सामाजिक प्रगति और आर्थिक उन्नति को प्राप्त करने में शिक्षकों की भूमिका महत्त्वपूर्ण है ।

बदलते समय में शिक्षाशास्त्र के नए तरीकों की आवश्यकता है जो हमें अपनी युवा पीढ़ी को सीखने, अन्वेषण करने और समाज में अधिक कुशलता से योगदान प्रदान करने के लिए सहायता प्रदान कर सकता है ।

शिक्षक दिवस के इस महत्वपूर्ण अवसर पर मुझे सभी शिक्षकों को उनके शिक्षण में उत्कृष्ट योगदान और युवा दिमाग को प्रेरित करने के लिए उनकी प्रतिबद्धताओं और समर्पण के लिए धन्यवाद देते हुए विशेष रूप से प्रसन्नता हो रही है ।

"यदि शिक्षक नहीं होते तो अन्य सभी पेशे मौजूद नहीं होते"

(नगेन्द्र गोयल)

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

नगेन्द्र गोयल (उपायुक्त)
Nagendra Goyal (Deputy Commissioner)

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
(Ministry of Education, Govt. of India)
दिल्ली संभाग/DELHI REGION
जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय परिसर नया महरौली मार्ग,
Jnu Campus, New Mehrauli Road,
नई दिल्ली/New Delhi-110067
दूरभाष सं. Tel. No. 7428830967
e-mail ID:dcrodelhi@gmail.com, website:rodelhi.kvs.gov.in

DATE : 04/09/2022

GREETINGS ON TEACHER DAY

"If a country is to be enlightened and become a nation of beautiful minds, I strongly feel there are three key societal members who can make the difference. They are, the father, the mother and the teacher.

Dr. APJ Abdul Kalam Azad.

Effusive greetings to all on this Teacher's day. Given that myself, I have been a student, a parent and a teacher at different points of time, allow me to share my thoughts with you all.

Dear teachers.....

Every year we celebrate 5 September as Teacher's day and it's the birthday of the second president of India, Dr.Shri Sarvpalli Radhakrishnan, who was a renowned scholar, philosopher and a distinguished teacher. He defined the role of the teacher as someone who acts not only as an educator but also as a moral mentor and imbues values among students. It is with sheer perseverance and patience that a teacher helps students comprehend the rich legacy of our culture. Ideal teachers consistently encourage students to pursue this objective and realize their goals. No doubt, teachers are the guiding force for students and true builders of our nation. This is the precise reason why the 'Guru-Shishya' tradition holds special reverence in Indian culture.

There is a deeper sense of personal conviction to seek social transformation that drives most people to become a teacher. Teaching is more than just a professional commitment for imparting knowledge or sharing perspectives; it is a personal commitment to engage in a lifelong learning, seeking and giving inspiration, believing in the possibility of social change and contributing to it, and participating in a transformative experience that makes

the world a better place through the sheer joy of teaching. The role of teachers is crucial in achieving human development, social progress and economic advancement in a society.

The changing times call for new methods of pedagogy that may help us equip our younger generation, to learn, explore and contribute more efficiently to the society.

On this august occasion of the Teacher's Day, I am particularly delighted to thank all the teachers for their outstanding contribution to teaching and their commitments and dedication to inspire the young minds.

"If there were no teachers, all other professions would not exist."

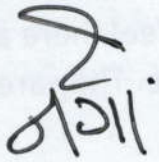

(NAGENDRA GOYAL)